

Proposed Course Structure of the Academic Programme with
Multiple Entry- Multiple Exit Framework as per the UGC
Guidelines & NEP-2020

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

I & III Semester

(वर्ष 2026-27)



हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश)

10/07/2026

10.07.2026

10/07/26

2026

90/6/26

हिंदी विभाग अध्ययन मंडल (BOS) विवरण

10/07/2026
डॉ. अफरोज बेगम,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर- Member-

10-07-2026
डॉ. हिमांशु कुमार,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर- Special invitee
(Member) -

10/07/2026
डॉ. सजय नाईनवाड,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर- Member-

20/7
प्रो. राजेन्द्र यादव,
हिन्दी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर- Member-

प्रो. रश्मि सिंह,
अंग्रेजी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर- Member-

प्रो. बी.आई. गुरु,
अंग्रेजी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर
वि. वि., सागर Member

प्रो. नीरज खरे
हिंदी विभाग, बनारस हिंदू वि.वि.
वाराणसी - External Member-
ऑनलाईन

प्रो. खेमसिंह डहेरिया
हिंदी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय
जनजातीय वि.वि. अमरकंटक
External Member - ऑनलाईन

10/07/2026
प्रो. चंदा बैन
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
BOS Chairman

Proposed Course Structure of the Academic
Programme with Multiple Entry - Multiple Exit
Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020
M.A. I & II SEM (Hindi)
(2026-27)

Level /Sem	Selection of the Course	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L6/ Ist	Compulsory	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-121-A	मध्यकालीन हिंदी कविता	6
		Discipline Specific : Major	HIN-DSM-122-A	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य	6
	Option 1	Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-121	साहित्य का समाजशास्त्र	4
	One MDM and SEC	Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-121-A	कंप्यूटर और हिंदी अनुप्रयोग	4
	Option 2 Any Two DSE	Discipline Specific Elective	HIN-DSE-121	मुंशी प्रेमचंद	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-122	जयशंकर प्रसाद	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-123	अज्ञेय	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-124	फणीश्वरनाथ रेणु	4
L6/ IInd	Compulsory	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-221	आधुनिक हिंदी कविता	6
		Discipline Specific : Major	HIN-DSM-222	आधुनिक हिंदी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं	6
	Option 1	Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-221	हिंदी साहित्य साझा विरासत	4
	One MDM and SEC	Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-221	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	4
	Option 2 Any Two DSE	Discipline Specific Elective	HIN-DSE-221	मोहन राकेश	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-222	धर्मवीर भारती	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-223	कुचेरनाथ राय	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-224	हरिशंकर परसाई	4

Exit with Degree

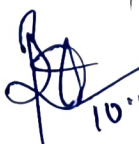
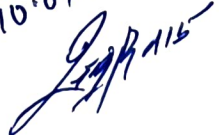

 10.07.2026




M.A. III & IV SEM (Hindi) (2026-27)

Level / Sem	Selection of the Course	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L 6.5 / IIIrd	Compulsory	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-321	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त	6
		Discipline Specific : Major	HIN-DSM 322	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परम्परा एवं प्रतिमान	6
	Option 1 One MDM and SEC	Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-321	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य	4
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-322	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य	4
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-321-A	सिनेमा और साहित्य	4
	Option 2 Any Two DSE	Discipline Specific Elective	HIN-DSE-321	निराला	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-322	मुक्तिबोध	4
	Option 3 One DSE and RML	Discipline Specific Elective	HIN-DSE-323	धूमिल	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-324	कुवर नारायण	4
		Research Methodology	HIN-RML-321	शोध प्रविधि	4
L 6.5 / IVth	Option 1 Two DSM and One MDM and SEC	Discipline Specific : Major	HIN-DSM-421	भाषा विज्ञान	6
		Discipline Specific : Major	HIN-DSM-422	हिंदी साहित्य विविध विमर्श	6
		Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-421	आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी	6
	Option 2 Two DSM and Any Two DSE	Multi Disciplinary : Major	HIN-MDM-422	हिंदी साहित्य में भारत बोध	4
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-421	रंगमंच सिद्धांत और इतिहास	4
	Option 3 One DSE and Dissertation / Academic Project	Discipline Specific Elective	HIN-DSE-421	अस्मिता : अवधारणा और सिद्धांत	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-422	स्त्री अस्मिता और हिंदी साहित्य	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-423	दलित अस्मिता और हिंदी साहित्य	4
		Discipline Specific Elective	HIN-DSE-424	आदिवासी अस्मिता और हिंदी साहित्य	4
		Dissertation	HIN-DST-421	लघु शोध प्रबंध (साहित्य सिनेमा समाज एवं संस्कृति)	16

Exit with Degree

 10.07.2026
 10.07.2026



हिन्दी विभाग

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

Discipline Specific Major

HIN-DSM-121-A (मध्यकालीन हिंदी कविता)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN- DSM- 121-A	मध्यकालीन हिंदी कविता	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आदि एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य के प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित करना।
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिंदी की काव्य परंपरा के समुचित ज्ञान के साथ ही उनमें आलोचना-बोध का निर्माण करना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भक्ति आंदोलन और उसके अखिल भारतीय स्वरूप के संदर्भ से परिचय।
CO2	निर्गुण भक्तिधारा के कवियों और उनकी रचनाओं के मूल स्वर की पहचान।
CO3	सगुण भक्ति की लोकधर्मी चेतना और समन्वयवादी दृष्टि से परिचय।
CO4	रीतिकाव्य की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक परिस्थितियों और उसकी कलात्मक चेतना को समझना।
CO5	रीतिकाव्य के प्रमुख कवियों की काव्य संवेदना को उनकी रचनाओं के माध्यम से परिचित होना।

Course Contents :

इकाई-1	भक्ति काव्य: विचार और दर्शन • भक्तिकालीन काव्य की भूमिका और उसकी अखिल भारतीय अभिव्यक्ति • भक्ति काव्य की वैचारिक- भूमि • भक्ति काव्यधारा की अन्तर्धाराएँ और उनका वैशिष्ट्य • भक्ति काव्य का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक आधार	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	भक्ति काव्य -I : निर्गुण काव्य परंपरा • जायसी (जायसी ग्रंथावली, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल) सिंहलदीप वर्णन खण्ड:पद संख्या-1,5, मानसरोदक खण्ड : पद संख्या-1,8, नखसिख खण्ड:पद संख्या 1,3, नागमती वियोग खण्ड:पद संख्या-5,19, उपसंहार खण्ड:पद संख्या-1,2 • कबीर (कबीर, संपादक:हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या:11,33,87,134,163,175,212 और 215 साखी संख्या:176,220,222,230,331,234,241 और 256	(18 व्याख्यान)

10/07/2026

10/07/26

10/07/26

9/06/26

इकाई-3	भक्ति काव्य-II : रागुण काव्य परंपरा	(18 व्याख्यान)
	- सूरदास (भ्रमरगीत सार-संपादक: आचार्य रामचंद्र शुक्ल) पद संख्या: 7,23,24,34,52,62,82,85,95,210,263,375, - तुलसीदास (कवितावली) पद संख्या: अयोध्याकाण्ड 11,22, सुंदरकाण्ड 5,10, उत्तरकाण्ड: 39,73,96,106,139,146,148,177 - मीराबाई: (मीरा पदावली-संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी) पद संख्या: 2,4,8,10,13,15,16,18	
इकाई-4	रीति काव्य : परंपरा और विकार	(18 व्याख्यान)
	- रीतिकाव्य की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि - रीतिकालीन काव्य : अंतर्धारा - रीतिकाव्य : प्रमुख कवि एवं रचनाएँ - रीतिकाव्य : भाषा और संवेदन	
इकाई-5	रीति काव्य : चयनित कविताएँ	(18 व्याख्यान)
	- केशवदास: रामचन्द्रिका - बालकाण्ड : 7,8,15,106 - पद्माकर: फागु के भीर अभीरन तें गहि, तालन पै ताल पै तमालन पै मालन पै, बृन्दावन बीथिन बहार बंसीबट पै, - बिहारी: (बिहारी सतसई- पुनर्पाठ- रामदेव शुक्ल) दोहा संख्या: 1,5,25,51,60,121,141,300,301,347,363,420,432,677,689 - घनानंद: (घनानंद कवित्त संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) पद संख्या: 2,5,7,8,12,15,32,39,46,53,61,67,71,82,86	

संदर्भ ग्रन्थ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
- जायसी ग्रंथावली, संपादक- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
- भ्रमरगीत सार- संपादक: आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
- मीरा पदावली - संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- गोस्वामी तुलसीदास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
- लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- घनानंद का श्रृंगार काव्य, रामदेव शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली
- आनन्दघन, रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- सामंती परिवेश का यथार्थ और बिहारी का काव्य, रामदेव शुक्ल
- रामचन्द्रिका, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- बिहारी रातराई पुनर्पाठ, रामदेव शुक्ल, मानव प्रकाशन, कोलकाता
- मीरा माधव, संपादक-नंद किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, जयपुर
- कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- अकथ कहानी प्रेम की: कबीर की कविता और उनका समय, पुरपोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी विभाग

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

Discipline Specific Major

HIN-DSM-122-A (आधुनिक हिंदी कथा साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN- DSM- 122-A	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य प्रमुख स्वरों और उनकी रचनाशीलता से परिचित करना।
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिंदी की कथा-परंपरा के समुचित ज्ञान के साथ ही उनमें आलोचना-बोध का निर्माण करना।
- भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता हासिल करना। व्यावसायिक एवं रचनात्मक कथा लेखन कौशल का विकास करना।
- उपन्यास विधा के उद्भव और विकास एवं तात्त्विक स्वरूप का परिचय कराना तथा ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष के महत्व को समझने और मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	उपन्यास और कहानी के तत्व, स्वरूप और विकास के बारे में जान पाएंगे।
CO2	दिव्या उपन्यास और उपन्यासकार यशपाल एवं उनके समय की चिंताओं एवं लैंगिक समानता के मुद्दे से परिचित हो सकेंगे।
CO3	निर्वासन उपन्यास के माध्यम से समकालीन जीवन और जगत की समस्याओं और दबावों को समझ सकेंगे।
CO4	स्वतन्त्रतापूर्व हिंदी कहानी लेखन और चयनित कहानियों के माध्यम से हिंदी कहानी की विकास प्रक्रिया एवं संवेदनात्मक प्रवाह को समझ सकेंगे।
CO5	समकालीन कहानी लेखन के सरोकारों एवं विमर्शपरक कहानियों में व्यक्त चिंताओं से परिचित होने के साथ एक लोकतान्त्रिक समाज निर्माण के महत्व को समझ सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	आधुनिक हिंदी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि • उपन्यास : उद्भव और विकास • कहानी उद्भव और विकास	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	उपन्यास-I • दिव्या - यशपाल	(18 व्याख्यान)

इकाई-3	उपन्यास-II • निर्वाण - अखिलेश	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	स्वतन्त्रतापूर्व कहानी • फांसी-विश्वम्भरनाथ शर्मा • शरणदाता-अज्ञेय नई कहानी • बदबू-शेखर जोशी • रसप्रिया-फणीश्वरनाथ रेणु	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	समकालीन कहानी • छप्पन तोले की करधन - उदय प्रकाश • स्वयं प्रकाश- पार्टीशन • सलाम-ओमप्रकाश वाल्मीकि • निर्मोही- ममता कालिया • खरगोशों का कष्ट-रामदयाल मुंडा	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रन्थ :

- उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- उपन्यास का कव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- उपन्यास का उदय, ऑयन वाट (अनु. धर्मपाल सरीन), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला हरियाणा
- कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- बीसवी शताब्दी का हिंदी साहित्य, विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी की कथा साहित्य का इतिहास, हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- उपन्यास और लोकजीवन, रॉल्फ फॉक्स, पी.पी.एच. दिल्ली
- उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास एक : अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी कहानीवक्त : की शिनाख्त और रूजान का राग, रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ, रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- भूमंडलोत्तर कहानी : राकेश बिहारी, आधार प्रकाशन, पंचकुला

हिन्दी विभाग
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major
HIN-MDM-121 (साहित्य का समाजशास्त्र)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN-MDM-121	साहित्य का समाजशास्त्र	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Prof. Rajendra Yadav

Course Objectives :

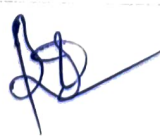
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्य और समाजशास्त्र के तात्त्विक संबंधों से परिचित करना।
- पाठ्यक्रम में सम्मिलित कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से हिंदी की कथा-परंपरा और उसके समाजशास्त्रीय विश्लेषण एवं आलोचना-बोध का निर्माण करना।
- विद्यार्थियों में अनंतरअनुशासनिक दृष्टि विकसित करना।

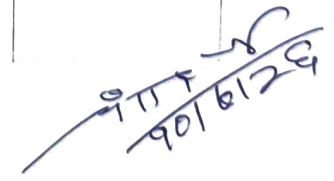
Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे-

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	साहित्य और समाजशास्त्र के स्वरूप और विकास प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
CO2	साहित्य और समाज के अंतर्संबंध के साथ ही साहित्य के समाजशास्त्र के इतिहास और रूपरेखा से परिचित हो सकेंगे।
CO3	साहित्य के समाज शास्त्र पद्धतियों से परिचित हो सकेंगे।
CO4	साहित्यिक रूपों की अवधारणा के साथ ही उपन्यास और कविता के समाजशास्त्र के बारे में सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO5	'अंधेरे में', 'राग दरबारी' और 'मणिकर्णिका' जैसी कृतियों के समाजशास्त्रीय अध्ययन का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	साहित्य और समाज का स्वरूप • साहित्य का स्वरूप: अर्थ, परिभाषा, तत्व और प्रयोजन • समाज का स्वरूप : परिभाषा, उत्पत्ति और विकास	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	साहित्य और समाज का संबंध • साहित्य और समाज का अंतर्संबंध • साहित्य के समाजशास्त्र का इतिहास • साहित्य के समाजशास्त्र की रूपरेखा	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	साहित्य के समाजशास्त्र की पद्धतियाँ • मार्क्सवादी पद्धति, • समाजशास्त्रीय पद्धति • संरचनावादी पद्धति	(18 व्याख्यान)



इकाई-4	साहित्यिक रूपों की अवधारणा • वस्तु और रूप का अंतर्संबंध, • उपन्यास का समाजशास्त्र • कविता का समाजशास्त्र	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	रचनागत अध्ययन • 'अंधेरे में' कविता का समाजशास्त्रीय अध्ययन • 'राग दरबारी' उपन्यास का समाजशास्त्रीय अध्ययन • 'मणिकर्णिका' आत्मकथा का समाजशास्त्रीय अध्ययन	(18 व्याख्यान)

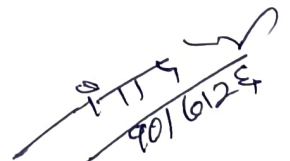
संदर्भ ग्रन्थ :

- साहित्य का समाजशास्त्र, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
- साहित्य का परिवेश, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
- साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया : अज्ञेय, संपा. कृष्णदत्त पालीवाल, सरिता साहित्य मंडल, दिल्ली
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, मैनेजर पाण्डेय, आधार प्रकाशन, पंचकूला, चंडीगढ़
- साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- विभ्रम और यथार्थ, क्रिस्टोफर काडवेल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- साहित्य के सिद्धांत, रेने वेलक, अस्टिन वारेन, वीएस.पालीवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद








90/6124

हिन्दी विभाग

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-121-A (कंप्यूटर और हिंदी अनुप्रयोग)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN-SEC-121-A	कंप्यूटर और हिंदी अनुप्रयोग	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Sanjay Nainwad

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कंप्यूटर और हिंदी अनुप्रयोग से परिचित करना।
- विद्यार्थियों को कंप्यूटर पर सुगमता के साथ हिंदी में काम करने के कौशल का विकास करना।
- भाषा-साहित्य एवं कंप्यूटर के शिक्षक की योग्यता हासिल करना।
- व्यावसायिक एवं रचनात्मक कथा लेखन कौशल का विकास करना।

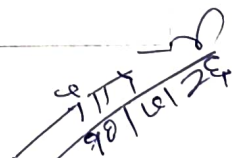
Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे-

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	कंप्यूटर के विकास और कार्यशैली के साथ ही हिंदी के अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे।
CO2	इंटरनेट जगत में हिंदी के महत्व, हिंदी फॉण्ट यूनिकोड के साथ ही देवनागरी लिपि में काम करना सीख सकेंगे।
CO3	हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस, राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका को पहचान सकेंगे।
CO4	हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्षों से परिचित होते हुए व्यावसायिक दृष्टि से पारंगत हो सकेंगे।
CO5	हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड, हिंदी और वेब डिजाइनिंग, हिंदी की वेबसाइट्स आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	कंप्यूटर और हिंदी	(18 व्याख्यान)
	• कंप्यूटर का विकास और हिंदी • कंप्यूटर का परिचय और विकास • कंप्यूटर में हिंदी का आरंभ एवं विकास • कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ	



इकाई-2	हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी-I • इंटरनेट पर हिंदी यूनिकोड • देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी-II • हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस, • राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका • ई-गवर्नेंस • इंटरनेट • हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी-III • हिंदी भाषा और कंप्यूटर • इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ • एसएमएस की हिंदी • न्यू मीडिया और हिंदी भाषा	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी-IV • हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड • हिंदी के विविध फॉन्ट • हिंदी और वेब डिजाइनिंग • हिंदी की वेबसाइट्स	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रन्थ :

- कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग— विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कंप्यूटर और हिंदी—हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी भाषा और कंप्यूटर—संतोष गोयल, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
- मीडिया: भूमंडलीकरण और समाज— संपा. संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली
- सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद— संपा. संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली
- कार्यालयीन हिंदी और कंप्यूटर अनुप्रयोग, निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

हिन्दी विभाग
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-121 (मुंशी प्रेमचंद)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN-DSE-121	मुंशी प्रेमचंद	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- मुंशी प्रेमचंद के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- साहित्य में मुंशी प्रेमचंद के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

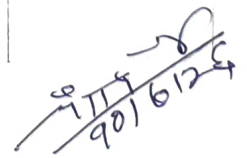
Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	मुंशी प्रेमचंद के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO3	मुंशी प्रेमचंद के कहानी साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	मुंशी प्रेमचंद के नाटक साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO5	मुंशी प्रेमचंद के निबंध साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	प्रेमचंद: जीवन और व्यक्तित्व • प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व • प्रेमचंद और राष्ट्रवाद • प्रेमचंद और पत्रकारिता • प्रेमचंद का उर्दू लेखन • प्रेमचंद: स्त्री एवं दलित प्रश्न • प्रेमचंद और किसान • प्रेमचंद का आदर्श और यथार्थ	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य का अध्ययन • गोदान	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	प्रेमचंद के कहानी साहित्य का अध्ययन • कफन • ठाकुर का कुआँ • दो बैलों की कथा • बड़े घर की बेटी • ईदगाह	(18 व्याख्यान)





इकाई-4	नाटक साहित्य का अध्ययन • कर्बला	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	निबंध साहित्य का अध्ययन • साहित्य का उद्देश्य • महाजनी सभ्यता	(18 व्याख्यान)

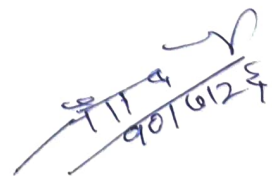
संदर्भ ग्रन्थ :

- प्रेमचंद: एक विवेचन— इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद: एक साहित्यिक विवेचन— नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद: कहानी का रहनुमा— जाफर रजा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रेमचंद और उनका युग— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद और भारतीय किसान— रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद: घर में—शिवरानी देवी, नयी किताब, दिल्ली
- कलम का सिपाही—अमृत राय, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस
- कुछ विचार— प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- मानसरोवर (भाग 1-8)— प्रेमचंद, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
- सामंत का मुंशी— डॉ. धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद की नीली आँखें— डॉ. धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद: व्यक्ति और साहित्य का अर्थ— मन्मथनाथ गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद
- प्रेमचंद: जीवन, कला और कृतित्व—हंसराज रहवर, विजय गोयल पब्लिशर, दिल्ली
- प्रेमचंद— कमल किशोर गोयनका, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- प्रेमचंद— रामविलास शर्मा, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद









हिन्दी विभाग
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-122 (जयशंकर प्रसाद)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN-DSE-122	जयशंकर प्रसाद	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Afroz Begum

Course Objectives :

- जयशंकर प्रसाद के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- साहित्य में जयशंकर प्रसाद के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

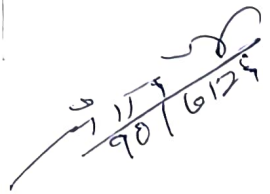
Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	जयशंकर प्रसाद के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	जयशंकर प्रसाद के काव्य साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO3	जयशंकर प्रसाद के नाटक साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	जयशंकर प्रसाद के कथा साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO5	जयशंकर प्रसाद के निबंध साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	जयशंकर प्रसाद: जीवन और व्यक्तित्व	(18 व्याख्यान)
	- जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व और कृतित्व - छायावाद और जयशंकर प्रसाद - जयशंकर प्रसाद की काव्य चेतना - प्रेम और सौंदर्य के कवि जयशंकर प्रसाद - जयशंकर प्रसाद और ऐतिहासिक नाटक	
इकाई-2	महाकाव्यात्मक अध्ययन	(18 व्याख्यान)
	कामायनी (आरंभिक तीन सर्ग)	
इकाई-3	नाटक साहित्य का अध्ययन	(18 व्याख्यान)
	स्कंदगुप्त	
इकाई-4	कथा साहित्य का अध्ययन	(18 व्याख्यान)
	- कहानी- गुंडा पुरस्कार, आकाशदीप - उपन्यास- कंकाल	
इकाई-5	निबंध साहित्य का अध्ययन	(18 व्याख्यान)
	काव्य और कला तथा अन्य निबंध	



संदर्भ ग्रन्थ :

- कामायनी: एक पुनर्विचार— गजानन माधव गुर्वित्तवोध,
- जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता— प्रभाकर श्रोत्रिय
- प्रसाद के काव्य रूप— रामेश्वर सिंह
- जयशंकर प्रसाद—रमेशचंद्र शाह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- प्रसाद, निराला, अज्ञेय— रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास— वच्चन सिंह



→ 11-8
901612-6

हिन्दी विभाग
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-123 (अज्ञेय)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN-DSE-123	अज्ञेय	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Prof. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- अज्ञेय के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- साहित्य में अज्ञेय के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे-

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	अज्ञेय के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	अज्ञेय की कविताओं से परिचित हो सकेंगे।
CO3	अज्ञेय के उपन्यास साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	अज्ञेय की कहानियों से परिचित हो सकेंगे।
CO5	अज्ञेय के यात्रा वृत्तांत से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

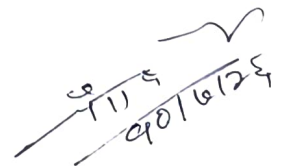
इकाई-1	अज्ञेय: जीवन और व्यक्तित्व • अज्ञेय का व्यक्तित्व और कृतित्व • प्रयोगवाद और अज्ञेय • तारसप्तक और अज्ञेय • अज्ञेय की आलोचना दृष्टि • अज्ञेय की कहानी कला • अज्ञेय की उपन्यास कला	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	काव्य साहित्य का अध्ययन • असाध्य वीणा • वावरा अहेरी	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	उपन्यास साहित्य का अध्ययन • अपने अपने अजनबी	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	कहानी साहित्य का अध्ययन • शरणदाता • रोज • कोठरी की बात	(18 व्याख्यान)

इकाई-5	यात्रा वृत्तांत का अध्ययन	(18 व्याख्या-1)
	• एक वृद्ध सहसा उछली	

संदर्भ ग्रन्थ :

- तारसप्तक— अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- आत्मने पद—अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- लेखक का दायित्व—अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- अज्ञेय— भोलाभाई पटेल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- अज्ञेय: प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय— विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- कवि अज्ञेय— नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां— नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या— रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- नयी कविता और अस्तित्ववाद— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- अज्ञेय और उनका कथा साहित्य— गोपाल राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आलोचक अज्ञेय की उपस्थिति— कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- अज्ञेय की काव्य तितीर्षा— नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
- अज्ञेय का काव्य— प्रणय कृष्ण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- अज्ञेय: प्रतिनिधि निवध— संपादक—कृष्णदत्त पालीवाल, नेशनल बु क ट्रस्ट, दिल्ली
- अरे यायावर रहेगा याद!— अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
- अज्ञेय होने का अर्थ— कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
- अपने—अपने अज्ञेय—ओम थानवी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आदम की डायरी— अज्ञेय, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर



हिन्दी विभाग
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-124 (फणीश्वरनाथ रेणु)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6 SEM-I	HIN-DSE-124	फणीश्वरनाथ रेणु	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- फणीश्वरनाथ रेणु के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- साहित्य में फणीश्वरनाथ रेणु के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	फणीश्वरनाथ रेणु के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यास साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO3	फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों से परिचित हो सकेंगे।
CO4	फणीश्वरनाथ रेणु के संस्मरण और रिपोर्ताज से परिचित हो सकेंगे।
CO5	

Course Contents :

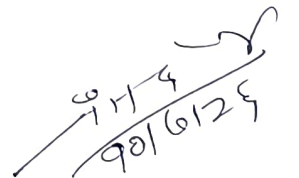
इकाई-1	फणीश्वरनाथ रेणु: जीवन और व्यक्तित्व • फणीश्वरनाथ रेणु का व्यक्तित्व और कृतित्व • आंचलिकता और रेणु का कथा लेखन	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	उपन्यास साहित्य का अध्ययन • मैला आंचल	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	कहानी साहित्य का अध्ययन • पंचलाईट • तीसरी कसम • ठेस	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	संस्मरण और रिपोर्ताज का अध्ययन • ऋण जल-धन जल (रिपोर्ताज) • वनतुलसी की गंध (संस्मरण) •	(18 व्याख्यान)

इकाई-5	फणीश्वरनाथ रेणु का गहत्व	(18 व्याख्यान)
	• रेणु का समय व परिवेश • रेणु के रामकालीन रचनाकार • साहित्य में रेणु की उपस्थिति	

संदर्भ ग्रन्थ :

- हिंदी कथेत्तर गद्य: परंपरा और प्रयोग- दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का गद्य साहित्य- रागचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- आधुनिक हिंदी गद्य का विकास और विश्लेषण- विजय मोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- हिंदी गद्य: विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी गद्य: इधर की उपलब्धियाँ- पुष्पपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी कहानी: प्रक्रिया और पाठ- सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
- भारतीय उपन्यास और आधुनिकता- वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकुला
- कहानी: विचारधारा और यथार्थ- वैभव सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास: एक अंतर्गता- रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- फणीश्वरनाथ रेणु: कथा का नया स्वर- भारत यायावर,
- रेणु का भारत- मृत्युंजय पाण्डेय, आनंद प्रकाशन,
- रेणु का अंदाजे बयौं और- भारत यायावर, प्रेरणा प्रकाशन,



हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Discipline Specific Major
HIN-DSM-321 (भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN- DSM-321	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचित कराना है, जिससे वे भारतीय साहित्यशास्त्र की परम्परा के साथ पाश्चात्य साहित्य शास्त्र चिंतन की परम्परा को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन विश्लेषण से विद्यार्थी काव्य निर्माण की रचना प्रक्रिया और उसके उपादानों को समझ सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे-

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	काव्य के लक्षण से परिचित हो सकेंगे।
CO2	रस की अवधारणा को समझ सकेंगे। अलंकार, रीति और ध्वनि सिद्धान्त से परिचित हो सकेंगे।
CO3	भारतीय साहित्यशास्त्र के अन्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों जैसे कि वक्रोक्ति, औचित्य इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।
CO4	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में प्लेटो, अरस्तू, लांजाइनस, क्रोचे एवं रिचर्ड्स के योगदान को समझ सकेंगे।
CO5	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में कालरिज, इलियट इत्यादि के सिद्धान्त को समझ सकेंगे तथा पाश्चात्य साहित्य चिंतन के क्षेत्र में विभिन्नवादों से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	काव्य का स्वरूप - काव्य लक्षण - काव्य हेतु - काव्य प्रयोजन - काव्य के प्रकार - काव्य की आत्मा	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	साहित्य सिद्धांत-I - रस सिद्धांत - रस की अवधारणा और स्वरूप - रस निष्पत्ति: प्रमुख व्याख्याकार - साधारणीकरण - अलंकार सिद्धान्त : अवधारणा एवं स्वरूप - रीति सिद्धान्त : अवधारणा एवं स्वरूप - ध्वनि सिद्धान्त अवधारणा एवं स्वरूप	(18 व्याख्यान)

[Signature]
10/07/26

10/07/26

[Signature]

[Signature]

10/07/26

इकाई-3	साहित्य सिद्धांत-II - वक्रोक्ति सिद्धान्त अवधारणा एवं स्वरूप - औचित्य सिद्धान्त अवधारणा एवं स्वरूप - हिन्दी काव्यशास्त्र : प्रमुख आचार्य और उनकी मान्यतायें	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-I - प्लेटो अनुकरण सिद्धान्त, काव्य सिद्धांत - अरस्तू अनुकृति, त्रासदी और उराके तत्व, विरेचन सिद्धान्त - लांजाइंगर उदात्त सिद्धान्त - क्रोंचे अभिव्यंजनावाद - रिचर्ड्स मूल्य सिद्धान्त, भाषा के विविध रूप	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-II - कालरिज कल्पना सिद्धान्त, फैंटेसी - टी.एस. इलियट : निर्व्यक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, परंपरा की अवधारणा - अन्य सिद्धान्त स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद, रूसी रूपवाद, नई समीक्षा - मिथक, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रन्थ :

- काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद और प्राच्य-काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- काव्यचिंतन की पश्चिमी परम्परा – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा – रामचन्द्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली







हिन्दी विभाग

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

Discipline Specific Major-2

HIN-DSM-322 (हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परम्परा एवं प्रतिमान)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN- DSM- 322	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परम्परा एवं प्रतिमान	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Prof. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्येतिहास से परिचित कराना है, उन्हें भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्येतिहास लेखन की दृष्टि को समझने के लिए तैयार करना है।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन विश्लेषण से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित हो सकेंगे तथा वे इतिहास लेखन की दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपुक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	साहित्य और इतिहास के सम्बन्ध को तथा साहित्येतिहास लेखन की दृष्टि को जान सकेंगे।
CO2	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित हो सकेंगे।
CO3	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की विकास यात्रा का अवगाहन कर सकेंगे।
CO4	हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की समस्या से परिचित हो सकेंगे।
CO5	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की दृष्टि की सम्यक् पहचान कर सकेंगे।

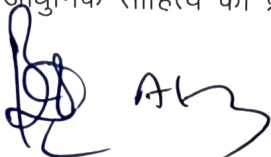
Course Contents :

इकाई-1	• साहित्य और इतिहास • स्मृति और इतिहास • भारतीय और पाश्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि • साहित्येतिहास की सामग्री एवं चयन का प्रश्न	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	• हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा का प्रारंभ • गार्सा द तासी • जार्ज ग्रियर्सन • मिश्रबंधु • शिवसिंह सेंगर	(18 व्याख्यान)

इकाई-3	• हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की विकास-यात्रा • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी • रामकुमार वर्मा • गणपतिचन्द्र गुप्त • नलिन विलोचन शर्मा • रामस्वरूप चतुर्वेदी • बच्चन सिंह • सुमन राजे • नीरजा माधव	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	• हिन्दी साहित्य की इतिहास दृष्टि • काल विभाजन • नामकरण • कालविभाजन और नामकरण की समस्या • प्रवृत्तियाँ : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	• हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की दृष्टि • शास्त्रीय दृष्टि • मानववादी दृष्टि • स्वच्छंदतावादी दृष्टि • मार्क्सवादी दृष्टि • नव्येतिहासवादी दृष्टि (सबाल्टर्न चिंतन, स्त्री इतिहास लेखन, इत्यादि)	(18 व्याख्यान)

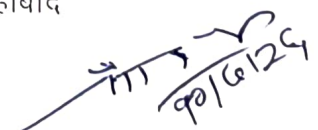
संदर्भ ग्रन्थ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक-डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- भक्ति काव्य और लोकजीवन – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि – सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नागवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद









हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major
HIN-MDM-321 (भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-MDM-321	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Prof. Chanda Bain

Course Objectives :

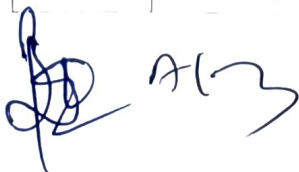
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यबोध से परिचित कराना है जिससे कि वे अपने जीवन को मूल्यपरक बना सकें।
- भारतीय ज्ञान परंपरा में बिखरी हुई अथाह सामग्री और हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के उत्स की खोज तथा दोनों के सहसंबंध को समझकर विद्यार्थी एक समग्र समझ से संपन्न हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों को ज्ञान की भारतीय समझ और राष्ट्रियता के मूल्यबोध से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	विद्यार्थी भारतीय ज्ञान की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
CO2	भारतीय ज्ञान के साहित्यिक संदर्भों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
CO3	हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान के मूल्यबोध से परिचित हो सकेंगे।
CO4	आख्यान की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य के संबंध को समझ सकेंगे।
CO5	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य के सहसंबंध से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	भारत : अवधारणा और स्वरूप • भारत: अर्थ, अवधारणा और स्वरूप • भारतीयता का बोध • भारतीय मूल्यबोध	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	भारतीय ज्ञान: आधुनिकता और परंपरा का द्वंद • परंपरा और आधुनिकता का अंतराबंध • भारतीय ज्ञान: अर्थ, स्वरूप और परंपरा • ज्ञान परंपरा और ज्ञान की समाजकेन्द्रीयता	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	भारतीय ज्ञान: शास्त्रीय- साहित्यिक- दार्शनिक विवेचन • वाल्मीकि रामायण और महाभारत का परिचयात्मक अध्ययन • कथा सारित्सागर और पंचतंत्र का परिचयात्मक अध्ययन • भक्ति काव्यधारा का दार्शनिक संदर्भ • भक्ति काव्य में अंतर्निहित भारतीय स्वत्व बोध	(18 व्याख्यान)






इकाई-4	भारतीय ज्ञान, मूल्यबोध और हिंदी कविता	(18 व्याख्यान)
	- रहीम: दोहा संख्या 1-10 (रहीम ग्रंथावली, संपादक-विद्यानिवास मिश्र) - मैथिलीशरण गुप्त भारत भारती (अतीत खण्ड) - महादेवी वर्मा: कह दे माँ अब क्या दर्खू - कुंवर नारायण: अबकी बार लौटा तो	
इकाई-5	आख्यान की भारतीय परंपरा और हिंदी साहित्य	(18 व्याख्यान)
	- प्रेमचंद पंचपरमेश्वर (कहानी) - सुदर्शन हार की जीत (कहानी) - हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास) - जयशंकर प्रसाद: ध्रुवस्वामिनी (नाटक)	

संदर्भ ग्रन्थ :

- हमारी परंपरा- वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली
- पंचतंत्र- वासुदेव शरण अग्रवाल
- भारतीय संस्कृति की कहानी-भगवत शरण उपाध्याय
- भारत की मौलिक एकता- वासुदेव शरण अग्रवाल
- परंपरा का मूल्यांकन- रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य की भूमिका- रामविलास शर्मा
- भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश- रामविलास शर्मा
- पश्चिमी एशिया और ऋग्वेद-रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय- रामधारी सिंह दिनकर
- आधुनिक हिन्दी काव्यालोचना के सौ वर्ष - प्रो. पुष्पिता अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- आलोचना की जमीन - विनोद शाही, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा
- आलोचना का जनतंत्र - देवेन्द्र चौबे, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा
- आलोचना और विचारधारा - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आलोचना के सौ वर्ष (तीन भागों में) - संपादक- अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली







हिन्दी विभाग
एग.ए. तृतीय सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major
HIN-MDM-322 (स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-MDM-322	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

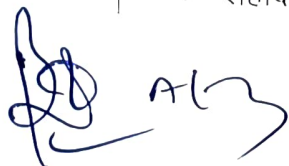
- विद्यार्थियों को स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
- स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य के योगदान से अवगत कराना।
- भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय सांस्कृतिक अवस्थिति से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में स्वाधीनता आंदोलन के उत्स की खोज करना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	विद्यार्थी भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
CO2	भारत के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आंदोलनों से परिचित हो सकेंगे।
CO3	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी कविता के संबंध को समझ सकेंगे।
CO4	स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी कथा साहित्य के संबंध को समझ सकेंगे।
CO5	हिंदी पत्रकारिता, नाटक एवं अन्य गद्य विधाओं में स्वाधीनता आंदोलन के तत्वों से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	भारतीय राष्ट्रवाद : अवधारणा और स्वरूप • राष्ट्रवाद : अवधारणा एवं स्वरूप • भारतीय राष्ट्रवाद का उदय • भारतीय राष्ट्रवाद का महत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	स्वाधीनता आंदोलन की पृष्ठभूमि एवं विकास • स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरण • सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आंदोलन • स्वाधीनता आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	स्वाधीनता आंदोलन एवं हिंदी कविता • स्वतंत्रता का दीपक: रामनरेश त्रिपाठी • प्रबोधिनी: प्रताप नारायण मिश्र • बंदी: जयशंकर प्रसाद • मातृभूमि: मैथिलीशरण गुप्त • वीरों का कैसा हो बसंत: सुभद्रा कुमारी चौहान • शहीद रतन: रामधारी सिंह दिनकर	(18 व्याख्यान)





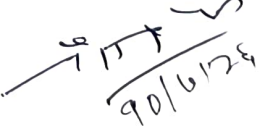

इकाई-4	स्वाधीनता आंदोलन एवं कथा साहित्य	(18 व्याख्यान)
	• कर्मभूमि: प्रेमचंद • करबट (अध्याय 12): अमृतलाल नागर • स्वतंत्रता की लड़ाई: कृष्णा सोबती • आजादी का सपना: मोहन राकेश	
इकाई-5	स्वाधीनता आंदोलन: हिंदी पत्रकारिता, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं	(18 व्याख्यान)
	• भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है? : भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र • तुम्हारी स्मृति (संस्मरण): माखनलाल चतुर्वेदी • स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी पत्रिकाओं का योगदान (बालाबोधिनी, विशाल भारत, हिंदी प्रदीप) • चंद्रगुप्त (नाटक): जयशंकर प्रसाद	

संदर्भ ग्रन्थ :

- हमारी परंपरा— वियोगी हरि, सरस्वा साहित्य मंडल, नई दिल्ली
- भारतीय संस्कृति की कहानी—भगवत शरण उपाध्याय
- भारत की मौलिक एकता— वासुदेव शरण अग्रवाल
- परंपरा का मूल्यांकन— रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य की भूमिका— रामविलास शर्मा
- भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश— रामविलास शर्मा
- पश्चिमी एशिया और ऋग्वेद—रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय— रामधारी सिंह दिनकर
- हिंदी कविता में राष्ट्रीय भावना— विद्यानाथ गुप्त, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
- राष्ट्रवाद— रवीन्द्रनाथ टैगोर, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
- राष्ट्रीयता— वाबूगुलाव राय, कितावघर प्रकाशन, दिल्ली।
- भारत में अंग्रेजी राज— सुंदरलाल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
- हिंदी राष्ट्रवाद— आलोक राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिंदू परंपराओं का राष्ट्रीयकरण— वसुधा डालमिया (अनुवादक— संजीव कुमार/योगेन्द्र दत्त), लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली।







हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Skill Enhancement Course (SEC)
HIN-SEC-321-A (सिनेमा और साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-SEC-321-A	सिनेमा और साहित्य	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Sanjay Nainwad

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सिनेमा के अध्ययन की सहूलियत पैदा करना है।
- सिनेमा के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के साथ उसका संबंध समझ सकेंगे तथा साहित्य एवं समाज को नए सिरे से समझने की दृष्टि निर्मित कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	सिनेमा के स्वरूप और विकास को समझ सकेंगे।
CO2	सिनेमा उद्योग एवं कला के संबंध से परिचित हो सकेंगे।
CO3	साहित्य व सिनेमा के संबंध को समझ सकेंगे।
CO4	सिनेमा के बदलते स्वरूप व साहित्यिक कृतियों के सिनेमाई रूपांतरण से परिचित हो सकेंगे।
CO5	सिनेमा समीक्षा की समझ विकसित कर सकेंगे।

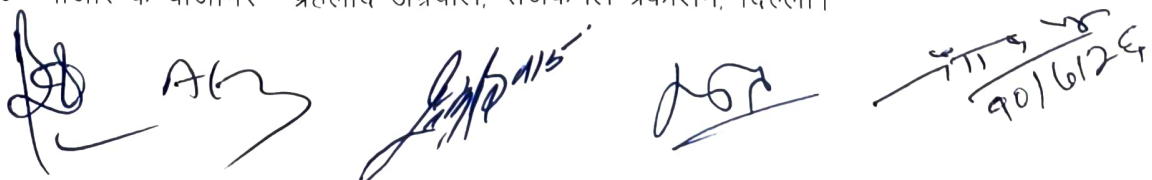
Course Contents :

इकाई-1	सिनेमा: स्वरूप और विकास	(18 व्याख्यान)
	• विश्व में सिनेमा का उदय • हिंदी सिनेमा का अतीत और वर्तमान • आधुनिकता और सिनेमा • मध्य वर्ग और सिनेमा • जनमाध्यम के रूप में सिनेमा	
इकाई-2	सिनेमा उद्योग एवं कला का संबंध	(18 व्याख्यान)
	• सिनेमा के प्रकार (लोकप्रिय सिनेमा, कलात्मक एवं समानान्तर सिनेमा, बाल सिनेमा, डाक्यूमेंट्री, वेबसिरीज) • सिनेमा उद्योग और बाजारवाद • सिनेमा से संबंधित प्रमुख संस्थाएं और निर्माण के केंद्र •	

इकाई-3	साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध	(18 व्याख्यान)
	• सिनेमा और साहित्य का संबंध • सिनेमा और समाज का यथार्थ • सिनेमा और राजनीति • सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा • सिनेमा की भाषा एवं संप्रेषणशीलता	
इकाई-4	सिनेमा का बदलता स्वरूप और साहित्य	(18 व्याख्यान)
	• हिंदी सिनेमा का रुमानी दौर • हिंदी सिनेमा का वर्तमान परिदृश्य • हिंदी सिनेमा में नायकत्व की अवधारणा • हिंदी सिनेमा में स्त्री एवं प्रेम • साहित्यिक रचना का सिनेमा में रूपान्तरण : शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, देवदास, उमराव जान	
इकाई-5	सिनेमा समीक्षा	(18 व्याख्यान)
	• मदर इंडिया • तारे जमीं पर • हिंदी मीडियम • सिनेमा के लिए लेखन: पटकथा लेखन, संवाद लेखन, गीत लेखन	

संदर्भ ग्रन्थ :

- हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र – जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- पटकथा लेखन: एक परिचय—मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- सिनेमा: समकालीन सिनेमा— अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- सिनेमा: कल, आज और कल— विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- हिंदी सिनेमा को सौ वर्ष— दिलचस्प, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
- सिनेमा के सौ वर्ष— संपादक मृत्युंजय, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
- पश्चिम और सिनेमा – दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- नये दौर का सिनेमा— प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ— जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
- सिनेमा और साहित्य— हरीश कुमार, सजय प्रकाशन, दिल्ली।
- भारतीय सिने सिद्धांत— अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- हिंदी सिनेमा: आदि से अनंत— प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा— पुनीत बिसारिया, राजनाराण शुक्ल, अटलाण्टिक प्रकाशन, दिल्ली।
- वर्ल्ड सिनेमा (हिस्ट्री)— सं. ज्योफी नोबेल स्मिथ, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- सिनेमा और सितारों का मायाजाल— जयप्रकाश चौकरो, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
- बाजार के बाजीगर— प्रहलाद अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।



हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-321 (निराला)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-DSE-321	निराला	4	0	0	4	Mid 40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को निराला के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना है।
- साहित्य में निराला के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपुक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	निराला के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	निराला के काव्य साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO3	निराला के कथा साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	निराला के निबंधात्मक साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO5	निराला की आलोचनात्मक दृष्टि से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	निराला: जीवन और व्यक्तित्व • निराला का व्यक्तित्व एवं कृतित्व • निराला के काव्य में जागरण का स्वर • मुक्त छंद और निराला • लंबी कविता की अवधारणा और निराला • निराला के काव्य में प्रेम तत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	काव्य साहित्य का अध्ययन • कुरुरमुत्ता • सरोज स्मृति • तोडती पत्थर • तुलसीदास	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	कथा साहित्य का अध्ययन • कुल्ली भाट (उपन्यास) • सुकुल की बीवी (कहानी)	(18 व्याख्यान)

इकाई-4	निबंधात्मक साहित्य का अध्ययन • रवीन्द्र कविता कानन • परिमल की भूमिका	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	आलोचनात्मक दृष्टि का अध्ययन • निराला की आलोचना दृष्टि • निराला की कहानी कला • निराला की उपन्यास कला • निराला की काव्य भाषा • निराला का अनुवादकर्म	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रन्थ :

- छायावाद— नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- निराला की साहित्य साधना (भाग 1-3)— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- क्रांतिकारी कवि निराला— बच्चन सिंह, नंदकिशोर एण्ड संस, वाराणसी
- निराला: आत्महंता आस्था— दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि निराला— नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- निराला: कृति से साक्षात्कार— नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- निराला काव्य की छवियां— नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा शिल्पी निराला— बलदेव प्रसाद मेहरोत्रा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- निराला— परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- निराला संचयन— संपा. विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- संपूर्ण कहानियाँ— सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- समकालीन कविता और सौंदर्य बोध— रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- समकालीन कविता का बीजगणित— कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नई कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिलहाल— अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन हिंदी कविता—विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास— नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली







हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-322 (मुक्तिबोध)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-DSE-322	मुक्तिबोध	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Prof. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मुक्तिबोध के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना है।
- साहित्य में मुक्तिबोध के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	मुक्तिबोध के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	मुक्तिबोध के काव्य साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO3	मुक्तिबोध के कथा साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO4	मुक्तिबोध के निबंध एवं आलोचना से परिचित हो सकेंगे।
CO5	मुक्तिबोध की आलोचनात्मक दृष्टि के मूल्यांकन से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	मुक्तिबोध: जीवन और व्यक्तित्व • मुक्तिबोध का व्यक्तित्व एवं कृतित्व • मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी का स्वर • लंबी कविता की अवधारणा और मुक्तिबोध • मुक्तिबोध के काव्य में युगीन चेतना	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	काव्य साहित्य का अध्ययन • अंधेरे में • भूल-गलती	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	कथा साहित्य का अध्ययन • विपात्र (उपन्यास) • सतह से उठता आदमी (कहानी)	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	आलोचना एवं निबंधात्मक साहित्य का अध्ययन • कामायनी—एक पुनर्विचार • नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र	(18 व्याख्यान)

9/11/24
90/6124

- एक साहित्यिक की डायरी
- भारत: इतिहास और संस्कृति

संदर्भ ग्रन्थ :

- मुक्तिबोध: युग चेतना और अभिव्यक्ति-आलोक गुप्त
- मुक्तिबोध की आत्मकथा: विष्णुचंद्र शर्मा
- जटिल संवेदना के कवि मुक्तिबोध- आलोक गुप्त
- प्रतिबद्धता और मुक्तिबोध का काव्य- प्रभात त्रिपाठी
- मुक्तिबोध कृत अंधेरे में: पाठ व अर्थ की खोज- विवेक कुमार मिश्र
- मुक्तिबोध के आलोचना सिद्धांत- अभय शंकर सिंह
- मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि- कृष्णदत्त शर्मा
- कविता के नए प्रतिमान- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कवियों की पृथ्वी-अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
- कविता का अर्थात्- परमानंद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कामायनी एक पुनर्विचार- मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन कविता और सौंदर्य बोध- रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- समकालीन कविता का बीजगणित- कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नई कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिलहाल- अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन हिंदी कविता-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास- नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

Handwritten signatures and dates:

1. A large signature with a checkmark.

2. A signature with the date 11/5/24.

3. A signature with the date 11/5/24.

4. A signature with the date 11/5/24.

हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-323 (धूमिल)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-DSE-323	धूमिल	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Afroz Begum

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को धूमिल के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना है।
- साहित्य में धूमिल के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	धूमिल के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	धूमिल की मोचीराम कविता से परिचित हो सकेंगे।
CO3	धूमिल की पटकथा कविता से परिचित हो सकेंगे।
CO4	धूमिल की कल सुनना मुझे, रोटी और संसद एवं अकाल दर्शन कविता से परिचित हो सकेंगे।
CO5	समकालीन कविता में धूमिल के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	धूमिल: जीवन और व्यक्तित्व • धूमिल का व्यक्तित्व और कृतित्व • राजनैतिक चेतना के कवि धूमिल	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	काव्य साहित्य का अध्ययन-I • मोचीराम	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	काव्य साहित्य का अध्ययन-II • पटकथा	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	काव्य साहित्य का अध्ययन-III • कल सुनना मुझे • रोटी और संसद • अकाल दर्शन	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	समकालीन कविता और धूमिल • समकालीनता की अवधारणा • समकालीन कविता और धूमिल • धूमिल का महत्व	(18 व्याख्यान)



12/07/2024




11/7/24
90/6/24

संदर्भ ग्रन्थ :

- समकालीन कविता और सौंदर्य बोध— रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- समकालीन कविता का बीजगणित— कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नई कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिलहाल— अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन हिंदी कविता—विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास— नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- साठोत्तरी कविता: परिवर्तित दिशाएं— प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
- नई कविता और अस्तित्ववाद— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- कवियों की पृथ्वी—अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
- कविता की संगत— विजय कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
- आधुनिक हिंदी कविता में विम्ब विधान—केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य— हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- सुदामा पाण्डेय धूमिल— रमेश प्रताप सिंह, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
- आलोचना की छवियां— ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- धूमिल समग्र (खण्ड 1 से 3)— रत्नशंकर पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली



10/03/2026



90/6124

हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Discipline Specific Elective (DSE)
HIN-DSE-324 (कुंवर नारायण)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5 SEM-III	HIN-DSE-324	कुंवर नारायण	4	0	0	4	Mid 40 End Sem-60	Prof. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कुंवर नारायण के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित कराना है।
- साहित्य में कुंवर नारायण के महत्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।

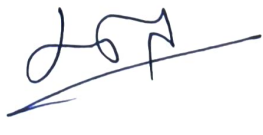
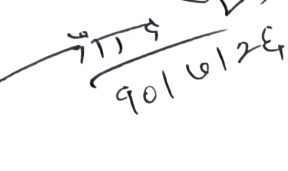
Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थी निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे—

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	कुंवर नारायण के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
CO2	कुंवर नारायण के काव्य साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
CO3	कुंवर नारायण के प्रबंध काव्य और लंबी कविता से परिचित हो सकेंगे।
CO4	कुंवर नारायण की गद्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
CO5	कुंवर नारायण की आलोचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	कुंवर नारायण: जीवन और व्यक्तित्व - कुंवर नारायण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व - तीसरा सप्तक और कुंवर नारायण - ऐतिहासिक एवं मिथकीय चेतना के कवि कुंवर नारायण	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	काव्य साहित्य का अध्ययन - अपने सामने - कोई दूसरा नहीं - संगतकार	(18 व्याख्यान)
इकाई-3	प्रबंध काव्य और लंबी कविता का अध्ययन आत्मजयी	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	गद्य रचनाओं का अध्ययन आकारों के आसपास (कहानी संग्रह)	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	आलोचना दृष्टि का अध्ययन - आज और आज से पहले - मेरे साक्षात्कार (साक्षात्कार)	(18 व्याख्यान)



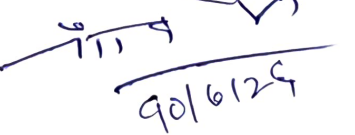




संदर्भ ग्रन्थ :

- समकालीन कविता और सौंदर्य बोध— रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- समकालीन कविता का बीजगणित— कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नई कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिलहाल— अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन हिंदी कविता—विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास— नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- साठोत्तरी कविता: परिवर्तित दिशाएं— प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
- नई कविता और अस्तित्ववाद— रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- कवियों की पृथ्वी—अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
- कविता की संगत— विजय कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
- आधुनिक हिंदी कविता में विम्ब विधान—केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- कुंवर नारायण: एक परिचय— वीरेन्द्र त्रिपाठी, हिंदी साहित्य सम्मेलन
- कुंवर नारायण: जीवन और काव्य यात्रा— सुमन पाठक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली






90/6126

हिन्दी विभाग
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
Research Methodology (RML)
HIN-RML-321 (शोध प्रविधि)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-6.5/ SEM-III	HIN- RML- 321	शोध प्रविधि	4	0	0	4	Mid 40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध की प्रविधि एवं उसकी प्रक्रिया से परिचित कराना है।
- इसके माध्यम से वे साहित्य के क्षेत्र में होने वाले शोध लेखन से परिचित होकर उसके महत्व का दिग्दर्शन कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे -

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	शोध की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	शोध के सामाजिक महत्व से परिचित हो सकेंगे।
CO3	शोध के प्रकार एवं उसकी पद्धति से परिचित हो सकेंगे।
CO4	साहित्य के क्षेत्र में किए जाने वाले शोध की प्रक्रिया का अध्ययन कर सकेंगे।
CO5	शोध के क्षेत्र में कम्प्यूटर और इंटरनेट के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई-1	शोध : अवधारणा एवं स्वरूप • शोध का अर्थ एवं अवधारणा • शोध की आवश्यकता • शोध का महत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-2	शोध का स्वरूप • शोध का सामाजिक महत्व • शोध के प्रकार एवं पद्धति • शोध और आलोचना • शोध और समीक्षा • शोध और मूल्य • शोध और नैतिकता	(18 व्याख्यान)

9/6/24

इकाई-3	पाठालोचन : कार्य, स्वरूप और महत्व - पाठालोचन का अर्थ - साहित्यिक शोध में पाठालोचन की भूमिका - अंतरानुशासनिक शोध का स्वरूप और महत्व	(18 व्याख्यान)
इकाई-4	साहित्य में शोध - विषय चयन - अध्याय विभाजन - शोध प्रारूप एवं परिकल्पना - शोध संदर्भ एवं उद्धरण - संदर्भ ग्रंथ सूची - शोध सार - शोध और पुस्तकालय	(18 व्याख्यान)
इकाई-5	कम्प्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान और शोध - कम्प्यूटर अनुप्रयोग और साहित्य - एमएस आफिस - पीपीटी - ईमेल - इंटरनेट - सोशल साइट्स - ब्लॉग, - हिंदी अंग्रेजी फान्ट	(18 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ :

- शोध प्रविधि – हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, 2006
- शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2015
- अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया – एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2021
- हिंदी अनुसंधान – विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
- शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा, मयूर बुक्स, दिल्ली, 2018

AK

विनयमोहन शर्मा

2017

गोपबन्धु
१०/०१/२६